University in News on 05 October 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

अब विभाग स्तर से ही शुरू हो सकेंगे शॉर्ट टर्म कोर्स

लविवि : एकेडमिक काउंसिल की सहमति नहीं होगी अनिवार्य

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में विभागों को अब शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू करने के लिए लंबी और जटिल प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा। विभाग अपने स्तर पर बोर्ड ऑफ स्टडीज से स्वीकृति के साथ कोर्स शुरू कर पाएंगे। इससे समय की बचत होगी और एकेडमिक काउंसिल से अनुमति का इंतजार भी समाप्त होगा।

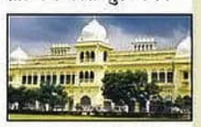

लविवि में वर्तमान व्यवस्था के अंतर्गत पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए एकेडमिक काउंसिल (विद्या परिषद) से स्वीकृति जरूरी होती है। साथ ही फैकल्टी बोर्ड से भी मंजूरी लेनी होती है। यह व्यवस्था शॉर्ट टर्म और पूर्णकालिक दोनों तरह के कोर्स पर लागू है। नई व्यवस्था में बोर्ड ऑफ स्टडीज से प्रस्ताव की स्वीकृति के बाद उसे नोडल अफसर को भेजा जाएगा। वहां जांच के बाद अनुमोदन के लिए कुलपति को भेजा जाएगा और वीसी की मंजूरी मिलने के बाद कोर्स शुरू कर दिया जाएगा।

लविवि प्रशासन के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू करने के संबंध में अंग्रेजी एवं पाश्चात्य भाषा विभाग के शिक्षक प्रो. आरपी सिंह को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

- **साल में एक-दो बार ही होती है एकेडमिक काउंसिल :** एकेडमिक काउंसिल किसी भी शैक्षणिक संस्थान की शिक्षा से जुड़े निर्णय लेने की सबसे बड़ी बॉडी होती है। यह बैठक साल में एक से दो बार ही बुलाई जाती है। इसलिए भी कोर्स की स्वीकृति में समय लगता है।

विदेशी विद्यार्थी होंगे लाभान्वित

- शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने और जटिल प्रक्रिया को सहज बनाने के इस निर्णय से खासकर विदेशी विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। कई बार विदेशी दूतावासों से शॉर्ट-टर्म कोर्स शुरू करने मांग की जाती है, लेकिन प्रक्रिया लंबी होने के चलते इसमें समय लग जाता है। अब मांग के अनुसार तत्काल पाठ्यक्रम डिजाइन कर जल्द से जल्द शुरू किया जा सकेगा।

HINDUSTAN PAGE 8

शॉर्ट टर्म कोर्स को मंजूरी जरूरी नहीं

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अब विभागों को शार्ट टर्म कोर्स शुरू करने के लिए विद्या परिषद की मंजूरी आवश्यक नहीं होगी। इसके लिए विभागों को बोर्ड ऑफ स्टडीज से पास कर कुलपति को अनुमोदन के लिए भेजना होगा। विदेशी छात्रों के बढ़ते रूझान को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। इसके लिए नोडल को भी नियुक्त किया गया है।

प्रवक्ता प्रोफेसर दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि शार्ट टर्म कोर्स शुरू करने के लिए विद्या परिषद की मंजूरी का इंतजार करना पड़ता था। इसमें आठ से 10 माह का वक्त लगता था। लेकिन अब यह प्रक्रिया आसान हो जाएगी।

JAGRAN CITY PAGE III

विभाग अपने स्तर पर शुरू कर सकेंगे शार्ट टर्म कोर्स

जासं • लखनऊ : लवि के विभाग अब कोई भी शार्ट कोर्स अपने स्तर से ही शुरू कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें एकेडमिक काउंसिल की जरूरत नहीं पड़ेगी। हाल ही में हुई एकेडमिक काउंसिल की बैठक में विभागों को इसके लिए अधिकृत कर दिया गया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि लवि में कई शार्ट टर्म कोर्स चल रहे हैं। उनकी अवधि कम होती है। ऐसे में उसे शुरू करने के लिए विभागों से प्रस्ताव बनाने और एकेडमिक काउंसिल से पास कराने में समय लगता है। इसलिए तय हुआ है कि विभाग बोर्ड आफ स्टडीज से प्रस्ताव पास कराकर कुलपति से अनुमोदित कराते हुए इसे शुरू कर सकते हैं। इसके लिए अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर आरपी सिंह को नोडल अधिकारी नामित किया। हाल में थाईलैंड के विद्यार्थियों के लिए शार्ट टर्म कोर्स भी शुरू किया था।

AMRIT VICHAR PAGE 4

ग्रामीण बच्चों को गोद ले रहा समाज कार्य विभाग

कैंपस-टू- कम्यूनिटी कार्यक्रम में उज्ज्वल बचपन-उन्नत गांव अभियान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: गांव के गरीब परिवार के बच्चों को लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग, दीनदयाल शोध पीठ के साथ मिलकर गोद लिया है। ऐसे पांच गांवों और लखनऊ शहर की एक मलिन बस्ती के बच्चों के बीच समाज कार्य विभाग के अध्यापक और शोधछात्र कार्य कर रहे हैं। जिससे उनका बचपन उज्ज्वल हो और गांव उन्नत हो सके।

समाज कार्य विभाग के डॉ. रोहित मिश्र बताते हैं कि यदि हम बचपन को संवार दें, तो हम एक सक्षम और संस्कारित नागरिक बनाने में कामयाब होंगे। इससे ग्रामीण क्षेत्रों का विकास होना तय है। विश्वविद्यालय का समाज कार्य विभाग बक्शी के तालाब के अंतर्गत पांच गांवों को गोद लिया है। उन बच्चों का सर्वांगीण विकास हो और वह समाज की मुख्य धारा में शामिल हो सके। इसके लिए उनके बीच शैक्षिक प्रतियोगिताएं जिसमें भाषण, कविता, कहानी लेखन आदि के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। जिन गांवों को गोद लिया गया है उनमें बख्शी का तालाब क्षेत्र के डींगुरपुर, भैसामउ, सोनुआ, मिश्रीपुर और मामपुरवाना गांव शामिल है। इसके अलावा शहर के निशातगंज के पास एक मलिन बस्ती को भी विभाग ने गोद लिया है।

राज्यपाल ने किया था सम्मानित

सोशल वर्क विभाग के गोद लिए गांवों के 29 बच्चों को दीक्षांत समारोह के दौरान राज्यपाल ने सम्मानित भी किया था। इन बच्चों की हैंड राइटिंग में लिखी हुई किताब का भी विमोचन किया गया था।

- **पांच गांवों और एक मलिन बस्ती में कार्य कर रहे छात्र**

यदि हम बच्चों को शिक्षा और संस्कार के प्रति जागरुक कर सके तो समाज और देश की अनेक चुनौतियों से निपट लेंगे। इसलिए सोशल वर्क डिपार्टमेंट के छात्र और शिक्षक दीनदयाल शोधपीठ के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं।

-प्रो. राकेश द्विवेदी, विभागाध्यक्ष, समाज कार्य विभाग

वन्यजीवों पर हुई चर्चा, उठा विलुप्त होते प्राणियों का मुद्दा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: बदलते मौसम और जलवायु परिवर्तन का वन्यजीवों पर होने वाले प्रभाव को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणि शास्त्र विभाग में कार्यशाला का आयोजन किया गया। वन्यजीव सप्ताह के अवसर पर वन्यजीव फोटोग्राफर, मूवी मेक का कार्यक्रम किया गया। वाईल्ड लाइफ फोटोग्राफर अभिलाष यादव इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहे और उन्होंने वन्य प्राणियों की गतिविधियों से छात्रों को अवगत कराया। जीवविज्ञान विभाग ईआईएसीपी पीसी-आरपी आईडब्ल्यूएस, लखनऊ विश्वविद्यालय ने अवध वन प्रभाग, यूपीएसबीबी, प्राणीशास्त्र विभाग और ईआईएसीपी डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया के सहयोग से वन्य प्राणी सप्ताह मना रहा है।

लविवि के प्राणि शास्त्र विभाग में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राएं व अध्यापक। अमृत विचार

वाईल्ड लाइफ फोटोग्राफर अभिलाष यादव ने वन्यजीव फोटोग्राफी की बारिकियों और चुनौतियों से छात्रों को अवगत कराया। प्राणि शास्त्र विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. सिराजुद्दीन ने विलुप्त होते वन्यजीवों पर विस्तार से चर्चा की और छात्रों को जानकारी दी। उन्होंने जलवायु परिवर्तन और जीवों पर होने वाले प्रभाव पर विस्तार से बताया। उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर डॉ सिराजुद्दीन ने हाल ही में मछलियों में पाए जाने वाले ओमेगा-3 और ओमेगा-6 पर शोध पूरा किया है। कार्यक्रम के समापन पर ईआईएसीपी आईडब्ल्यूएस की समन्वयक प्रोफेसर अमिता कनौजिया ने सभी का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में स्नातक और परास्नातक के सैकड़ों छात्र, शिक्षक, आईडब्ल्यूएस और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया के ईआईएसीपी कर्मचारी उपस्थित थे।

- **लखनऊ विश्वविद्यालय में वन्यजीव सप्ताह पर हुई कार्यशाला**